PTJ1-1

यीशु के पुनरुत्थान के सबूत - प्रोग्राम 1

डॉ। जॉन एकरबर्ग : सवाल, क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा?

ये सत्य है या मनघडत है?

क्या इसके मायने हैं?

इसके सबूत क्या हैं?

आप क्या जवाब देगे यदि आपके अविश्वासी दोस्त आप से पुछते हैं?

क्या यीशु का पुनरुत्थान मनघड़त नही है?

हम कैसे जानेगे कि वो सच में मर गया था? जब उसे क्रूस से उतारा गया/ और उसके मरने और गाढे जाने के बाद/ जब यीशु 500 से ज्यादा लोगों को दिखाई दिया/ ये क्या उनके मन के सायक्लॉजीकल प्रभाव थे, या असली यीशु का वास्तविक शारीरिक प्रकटीकरण था?

आज के मेरे मेहमान इसका जवाब देगे, जो पहले नास्तिक थे और अब विश्वासी हैं, मिस्फ्र ली स्ट्रोबल/ ये फॉरमर लीगल एडीफ्र हैं शिकागो प्रिब्युन के/ और न्युयॉक फाईम्स के बेस्फ सेलिंग ऑथर, जिनकी लगभग 20 किताबें विख्यात हैं/ हम आपको न्योता देते हैं कि अदभुत सबूत देखे यीशु के पुनरुत्थान के/ इस स्पेशल एडीशन जॉन एन्करबर्ग शो में

डॉ। जॉन एकरबर्ग : हमारे प्रोग्राम में आपका स्वागत है, आज अदभुत प्रोग्राम हैं, मेरे मेहमान हैं मिस्टर ली स्ट्रोबल, ये ग्रैज्युएट है, येल युनिवर्सीटी से, लॉ में डीग्री की है/ और फिर 30 साल तक ये अवार्ड विनिंग लीगल एडीटर थे, शिकागो ट्रीब्युन में/ और उस समय ये नास्तिक थे/ और, सच मे, आगे जाकर जीवन में परिस्थिती आई कि मसीह के बारे में सबूत का परिक्षण करे/ ये साबित करने के लिए नही कि ये सत्य है/ लेकिन गलत है इसलिए/ लेकिन अंत में, उन सबूतों के कारण ये मसीह के पास आएं, और आज हम ये कहानी सुनेगे/ इन्होंने ये सबूत अपनी किताब में लिखे हैं, नाम है, द केस फॉर क्राईस्ट/ जिसके लगभग 2 मिलीयन (20 लाख) कॉपी दूनिया भर में बिक चुकी है/

और साथ ही इन्होंने दूसरी किताबें भी लिखी हैं, द केस फॉर फेथ, द केस फॉर क्रिएटर, और नई किताब है, द केस फॉर द रीअल जीज़स/ और लोग इनकी किताबें सारी दुनिया में पढते हैं, सच में, शायद इसे ज्यादा समय नही हूआ है, पीपल मैगज़ीन में, तस्वीर देखी, मैथ्यू मकैनही की और वो ट्रेड मील पर चल रहे थे, और उनके पास आपकी किताब थी, द केस ऑफ फेथ, ये कैसे हुआ?

ली स्ट्रोबल: इस समय मैं चकित हो गया/ बिलकुल दूसरों के जैसे ही, अवश्य ही पीपल मैग्ज़ीन में, वो वर्क आऊट कर रहे थे, और ध्यान से ये किताब पढ़ रहे थे, और यदि कवर देखे तो ये केस फॉर क्राईस्ट है/ मैंने सोचा क्या ये अदभुत नही/ देखिए, वो इन बातों में दिलचस्पी लेते हैं, मुझे पता नही

कि आत्मिक रुप में वो कहाँ पर हैं/ लेकिन आशा करता हूँ कि ये किताब सहायक होगी, जानते हैं कि वो यीशु के ऐतिहासिक सबूतों को समझ सकें/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : क्या ये इनसाईट एडीशन में भी दिखाया जाएगा/

जी, वो देखना चाहते हैं कि सेलेब्रीटी क्या पढ़ रहे हैं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : उनके पास आपकी किताब है/ जी, आप ने मुझे एक और कहानी बताई थी, आपको एक फोन कॉल आया, ये बहुत पूरानी बात नही है, ये दिलचस्प बात है, इसके बारे में बताईए/

ली स्ट्रोबल: जी, मुझे एक फोन कॉल आया, कहा स्ट्रोबल, मैंने कहा जी हाँ, ईविल, आप कैसे हैं/ इवील, इवील कैन ईवील/ याद है डेअर डेविल मोटर सायकल जम्पर, खैर उन्होंने मुझ से कहा, मार्च में, वो बीच पर गए थे/ और महसुस किया कि प्रभु ने उनसे कहा, ऑडीबली नही, लेकिन उनकी आत्मा में, और प्रभु ने कहा, ईवील मैं तुम्हें कितनी बार बताया, तुम्हें पता नही है/ लेकिन अब मैं चाहता हूँ कि मेरे पास आ मेरे पुत्र यीशु के द्वारा/ तो उन्होंने सोचा कि ये क्या है, सामान्य रुप में परमेश्वर को मानते हैं, कहा जाएं तो (ये क्या है), यीशु मैं नही समझ रहा, तो उन्होंने फोन किया, फैन्क गीफर, स्पोर्टस गेस्टर, जो उनके दोस्त हैं, उनसे कहा फैन्क, यीशु की ये बात किस बारे में है/ तो उन्होंने मेरी किताब की कॉपी भेजी, द केस फॉर क्राईस्ट, और अवश्य ही ईवील कैन ईवील/ पूरी तरह से नया जन्म पाएं हैं, वो मसीह में नए विश्वासी हैं, वो और मैं दोस्त बन गएं, हम फोन पर बातें करते हैं/ वो जब भी मुझे फोन करते तो कहते हैं, स्ट्रोबल, ईवील, मैंने कहा ईवील तुम्हें अब अपना नाम बदलना चाहिए/ अब तुम विश्वासी हो, खुद को ईवील न कहना/ कहे कि मैं वो डेअर डेवील हूँ, जिसे ईवील के नाम से जाना जाता था/ वो ईवील/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : हमें बताईए कि जब उन्होंने बपतिस्मा लिया तो चर्च में क्या हुआ/

ली स्ट्रोबल: वो एक बड़े चर्च में गएं और अपनी कहानी बताई, पास्टर ने कोई संदेश नही दिया, क्योंकि उनकी कहानी इतनी सामर्थी थी, ये सच में बहुत ही अदभुत प्रतिउत्तर था, परमेश्वर के प्रेम और अनुग्रह को/ उन्होंने कहा कि मैं इतना अनैतिक जीवन जी रहा था/ और प्रभु ने अपने अनुग्रह में मुझे माफ किया/ मुझे नया जीवन मिला है/ और वो अपने नए विश्वास के लिए इतनी जिज्ञासा से भर गएं/ कि पास्टर ने कोई संदेश नही दिया और कहा, यही संदेश था, अब यहाँ कोई है, जो आगे आकर मसीह को स्वीकार कर बपतिस्मा लेना चाहता है, तो आगे बढे और यही करे, और दो सभाओं में लगभग 700 लोग यीशु मसीह पर विश्वास करने आगे आएं, क्योंकि ईविल कैन ईवील ने स्वीकार किया, और वो इस पर चकित होते हैं/ वो बहुत नम्र हैं और वो कहते हैं, जानते हैं, मुझे कई तरह से लगता है कि मैंने अपना जीवन बर्बाद कर दिया है/ लेकिन बहुत धन्यवाद देता हूँ कि बहुत देर होने से पहले मैंने यीशु को पाया/ यदि वो किसी तरह से मेरा उपयोग करे तो आदर की बात होगी/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : मैंने सुना कि उन्होंने आपको फ्लोरीडा में बुलाया था कि आपको मोटर सायकल पर राईड के लिए ले जाएं/

ली स्ट्रोबल: उन्होंने कहा, मेरे पास फ्लोरीडा में आईए मैं आपको बाईक पर राईड के लिए ले जाऊंगा/ तो मैंने सोचा ठीक है, लेकिन नही जाने के लिए अच्छा बहाना ढूडना शुरु किया/ सही कहा/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठीक है, मैं आपको कहानी सुनना चाहता हूँ और सोचता हूँ लोग आपकी कहानी सुनना चाहते हैं, क्योंकि आप सच में अजीब थे, आपको समझाना बहुत मुश्किल था, और आप ने प्रभु पर कैसे विश्वास किया, अपनी कहानी बताईए, शायद येल से और फिर शिकागो ट्रिब्युन/ और आपका माईन्ड सेट तो कट्टर नास्तिक का था/

ली स्ट्रोबल: जानते हैं, जब मैं 16 साल का था तब खुद को पहली बार नास्तिक मानने लगा/ ये तो बहुत कुछ इसलिए हुआ क्योंकि मुझे स्कूल में इव्ल्युशन सिखाया गया, जीवन की शुरुवात, मुझे सिखाया गया कि जीवन अपने

आप ऐसे ही आता है, इसके लिए आलौकिक सृष्टिकर्ता नही चाहिए/ मैंने इस पर विश्वास किया और खुद को नास्तिक मानने लगा/ बाद में एक भाई से कोर्स भी किया/ जो स्पिरीच्युअल स्कैपटीक थे, वो मुझे नए नियम से सिखाने लगे/ और उन्होंने मुझे बताया कि जो बाइबल कहती है उस पर विश्वास नही कर सकते/ तो मैंने खुद को नास्तिक माना, मेरी शादी यंग से हुई, जो मेरे साथ हाईस्कूल में पढ़ती थी, मैं 20 साल का और वो 19 की थी, वो एग्नॉस्टीक थी/ मतलब आत्मिक रुप में सामान्य थी, मैं थोड़ा कठोर था/ मतलब मैंने कभी, आपको सच बताऊं जॉन/ मैंने कभी समय नही लिया कि क्रम से तलाश करुं/ सबूत को किसी और तरिके से देखूं/

इस तरह का विचार, जानते हैं, मैं सोचता था याने मेरी स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती थी, ये विचार कि सर्वसामर्थी, महान प्रेमी, सर्वज्ञानी, संसार का सृष्टिकर्ता मनघड़त है,

उसे देखने के लिए वो मेरे समय के योग्य नही है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : उस परमेश्वर ने मनुष्यों को बनाया, आप ने सोचा कि लोगों ने परमेश्वर को बनाया/ तो खुद कुछ नही कर सकता/

ली स्ट्रोबल: बिलकुल सही कहा, लोगों को इस अजीब से जेली बीन जैसे परदादा आसमान में चाहिए थे, याने कम से कम विश्वास करे कि मरने पर वो स्वर्ग में जाएगे/ मैने सोचा कि ये बस इसी के बारे में है/ और इसके बारे में बुरा भाग तो ये हैं जॉन, जानते हैं, परचन रसल, विख्यात नास्तिक ने एक बार कहा था कि यदि कोई परमेश्वर नही है, तो सही और गलत नही है/ और मैं अपना जीवन ऐसे ही जीया/ याने सच में, मैंने जो चाहा उसे नैतिकता बना दिया/ दिनों दिन मैं उसे बदलता था/

क्योंकि मेरे लिए नंबर एक बात थी कि हमेशा खुद को खुश रखूं/ ये तो केवल खुद को खुश करनेवाला जीवन था, और जानते हैं कि सच तो ये है, कि इसके बारे में कहने में खुशी नही होती लेकिन, मैं अनैतिक जीवन जीया, और शराबी था/ कठोर था, और खुद में फंसा रहता/ और कई तरह से खुद को नाश करता/ ऐसा ही जीवन था,

क्रोध की बहुत परेशानी थी, क्योंकि ऐसे दिखता था कि चाहे मैं किसी भी मार्ग में चला जाऊं या जो भी करुं, मैं ये खुशी नही पा सकता था, जानते हैं, जो मैं जीवन में चाहता था, मुझे याद है एक दिन मेरी पत्नी चर्च में जाने के लिए तैयार हो रही थी, वो एक विश्वासी थी और मैं क्रोधीत था, उसने कहा कि वो चर्च जा रही है और मैं इससे इतना चिड़ गया, मैं पीछे गया और उसी दीवार पर ज़ोर से मारा/ बस द्वेश के कारण/ मेरी पत्नी रो रही थी, और छोटी बेटी रो रही थी, और यदि आप पुछते कि आप क्यों क्रोधित हैं, ये क्रोध किस बारे में है/

मुझे नही लगता कि किसी को बताया, लेकिन शायद इसका जवाब नही था, दीवार पर मार रहा था, उसे नही ढूड सकता था जो मुझे संतुष्टि दे सके, मैं ढूड रहा था/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, आपने कहा था कि अलीसा, आपकी बेटी, जब वो देखती कि आप घर लौट आएं हैं, तो वो क्या करती थी?

ली स्ट्रोबल: जी, शायद ये सबसे बूरी बात थी, जो मैं अपने जीवन के बारे में कह सकता हूँ,

डॉ। जॉन एकरबर्ग : वो केवल 5 साल की थी?

ली स्ट्रोबल: जी, 5 से भी कम थी/ और यदि वो लिविंग रुम में फर्श पर कुछ खिलौने के साथ खेल रही है, और उसे सामने के दरवाज़े से मेरे घर आने की आवाज़ आती/ तो उसका स्वाभाविक काम यही होता, कि अपने खिलौने उठाएं और अपने कमरे में जाकर दरवाज़ा बंद कर दे/ मतलब ये फिर से पीने लगे, और ये दीवार पर मार सकते हैं, ये चिल्ला सकते, चिख सकते, जानते हैं, तो अच्छा है कि यही शान्त रहे, यही चुप रहे, मतलब ये तो, देखिए ये कहना मेरे लिए बहुत मुश्किल है, मैं अपने बच्चों से प्यार करता हूँ/ लेकिन मैं कौन था यही इसका सच है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : फिर आपकी पत्नी के साथ कुछ हुआ?

ली स्ट्रोबल: जी, उनकी मुलाकात एक सहेली से हुई और उन्होंने यीशु के बारे में बताया, मेरी पत्नी ने जांचा और एक दिन वो मेरे पास आई, 9 महिने बाद कहा कि ली मैंने एक बड़ा निर्णय लिया है, मैंने यीशु के पिछे चलने का निर्णय लिया है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : तब आपने क्या सोचा?

ली स्ट्रोबल: मैंने सोचा, तलाख, यही शब्द, मेरे मन में यही था, बस हो गया/ मैंने इसके लिए साईन अप नही किया था, कि वो इस तरह हो जाएं याने पवित्र जन हो, याने पवित्रता दिखाते रहे, और सारा समय गरीबों की सेवा में समर्पित कर दे, सच में मैंने सोचा था कि हमारा विवाह खत्म हो गया/ लेकिन मेरे जीवन में सबसे बड़ा सर्प्राईज़ था, कि इन सुईंग महिनों में मैंने सोचा कि ये सब नकारात्मक होगा/ लेकिन मैंने सकारात्मक बदलाव देखे/ उसके चरित्र में, मुल्य में/ और जिस तरह वो मुझ से और बच्चों से व्यवहार करती थी/ वो अदभुत और आकर्षित था, तो एक दिन उसने कहा तुम मेरे साथ चर्च में क्यों नही चलते हो, मैंने कहा तुम्हें बताना चाहता हूँ कि आज चलता ही हूँ, ये झुठ बताने के लिए जिस में वो थी,

तो मैं चर्च सभा में गया जो मुवी थेयटर में था, वील फ्री कम्युनिटी चर्च, एक भाई प्रचार करने आएं, उनकी दाडी भी नही आई थी, जवान भाई थे बील हायबन्स, और उन्होंने बुनियादी मसीहीयत पर संदेश दिया/ और जॉन, उन्होंने मसीहीयत के बारे में मेरे अंदर जितने गलत विचार थे, उन सबको उन्होंने दूर किया/ उन्होंने बताया यीशु के बारे में, उन्होंने क्रूस के बारे में बताया/ उन्होंने हमारे पापों के प्रायश्चित के बारे में बताया/ उन्होंने इन सारी बातों के बारे में बताया, और मैं मैंने इसे सुना/ और जब मैं बाहर आया तो दो बातें कह रहा था, सबसे पहले कि मैं नास्तिक हूँ, वो मुझे सहमत नही कर सकते कि कोई परमेश्वर है/ दूसरी बात मैंने जानी कि यदि ये सच है, तो मेरे जीवन के लिए बहुत उपयोगी बातें हैं/

तो मैंने सोचा ठीक है, मैं जरनलिज़म ट्रेनिंग का उपयोग करुंगा और लीगल ट्रेनिंग का भी/ और मैं क्रमबध्द जांच करुंगा/ कि क्या इस में कोई सच है/ मसीहीयत में, या और किसी भी आस्था में, मैंने दूसरी आस्थाओं को भी देखा था/ और इस जांच में वो कैसे खड़े रहते हैं, और जानते है, सच तो ये है जॉन, मैं जिस तरह का जीवन जी रहा था, मेरा कुछ हिस्सा सच्चा नही होना चाहता था/ मैं ढूडना चाहता था कि ये सच न हो/ क्योंकि मैं जिम्मेदार नही होना चाहता था/ मेरे जीवन जीने के तरिके के लिए/ और दूसरी ओर, जरनलिस्ट होने के नाते, मैंने कहने की कोशीश की, रुको एक मिनट/ अपनी बातों को जांच में रखीए/ और इसमें बॉल गेम के एम्पायर जैसे जाएं/ स्ट्राई को स्ट्राई और बॉल को बॉल कहे/ हिम्मत रखे, इमानदारी रखे/ कि सबूत के पीछे चले जहाँ भी वो ले जाते हैं/

तो मैंने इस सारी जांच पर गौर किया/ सच में जॉन मैंने सोचा, मज़ाक नही, मैंने सोचा इसके लिए हफ्ते का अंत लगेगा/ मैंने सोचा शायद कुछ ही दिन लगे, मैं इसे तितर बितर करुंगा/ मैं इसमें कमीयाँ और गलतियाँ ढूड

निकालूंगा/ यदि एक हफ्ता भी लगे तो ठीक है/ खैर, मैंने जांच शुरु की और जैसे इसे किया, मैं जांच की बातों को देखने लगा, मैंने इसे देखा, और दूसरी आस्थाएं अदभुत रुप में, अपने आप दूर होती गई/ मतलब, सच में इसे देखना इतना मुश्किल नही था, कि दूर करे बाकि सारी चिज़ों को,

मसीहीयत इस तरह थी, बॉक्सिंग में बैग को पंच करते हैं, पंचिंग बैग पर मारे तो हर समय वापस आती है/ ऐसे दिखता था कि मैं कुछ भी करुं, मैं जो भी चुनौति दूं ये प्रतिउत्तर देता, साबित करनेवाले सबूतों से जो कायल करते थे, और वो सामर्थि थे/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आपने कैसे निर्णय लिया कि मसीहीयत का परिक्षण करते समय कहाँ से शुरु करेगे?

ली स्ट्रोबल: खैर देखिए बहुतसी बातें थी, जानते हैं, मसीहा की बात, भविष्यवाणी और बहुतसी बातें, लेकिन यदि मैं इसका सारांध बताऊँ, तो दो बातें थी, जो मेरी जांच के लिए बुनियादी थी, क्योंकि मैं सोचता हूँ कि यीशु कौन है इसके लिए ये बुनियाद है, नंबर एक, क्या उसने कभी परमेश्वर का पुत्र होने का दावा किया/

बहुत से लोग कहते हैं कि उसने नही कहा/ रीचर्ड डॉबकिंन्स की किताब, द ग़ॉड डल्युज़न में, स्केप्टीक नास्तिक, कहते हैं, खैर इसके बहुत कम सबूत है कि यीशु ने परमेश्वर का पुत्र होने का दावा किया है/ मैं यही सोचता था/

और फिर दूसरी बात, यदि उसने परमेश्वर का पुत्र होने का दावा किया है/ तो क्या उसने मुर्दों में से जी उठाने के द्वारा इसे साबित किया/ क्योंकि मैंने बहुत सी जांच की थी, जब मैं शिकागो ट्रिब्युन में था/ हम कुछ मेन्टल हेल्थ फैसीलीटी में गएं, मैं आपको बताऊ जॉन इस दुनिया में ऐसे लोगों की कमी नही है, जो आपकी आँखों में देखकर पूरी इमानदारी से कहेगे, कि वो परमेश्वर हैं/ लेकिन हम इस झुठ पर विश्वास नही करते, क्योंकि कोई सहमति नही है, सबूत नही है इसके लिए/

यदि यीशु ने दावा किया कि वो परमेश्वर का पुत्र है, तो वो एक बात है, लेकिन यदि उसने साबित किया और इसके बारे में कहा/ यदि इस दावे को साबित किया, मुर्दों में से जी उठने के द्वारा तो ये अच्छा सबूत होगा/ कि वो कब्र में तीन दिन बाद उठता, ये कहना तो अच्छा सबूत होता/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी एक बार मैं मेन्टल हेल्थ फैसीली में था, और मैं एक कमरे में गया, और उस भाई ने कहा, उन्होंने मेरी ओर देखकर कहा, उन्होंने कहा जानते हो मैं परमेश्वर का दूसरा पुत्र हूँ? मैंने कहा, क्या मुझे पता नही, और उन्होंने कहा, परमेश्वर ने मुझ से ये कहा, और बगलवाले कमरे के भाई ने कहा, नही मैंने नही कहा/

लेकिन बने रहे, हम इन दो पॉईन्ट के सबूत देखनेवाले हैं, अब हम ब्रेक लेगे और जल्द वापस आएगे, और हम वो सबूत देखेगे जिसके पीछे ली डटे रहे, तो हमारे साथ बने रहे, आप चुकना नही चाहेगे.

।।।

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठीक है, हम लौट आएं हैं, हम ली स्ट्रोबल से चर्चा कर रहे हैं, ये कट्टर नास्तिक थे और शिकागो ट्रिब्युन में 13 साल तक लीगल एडीटर थे, और एक दिन इनकी पत्नी ने मसीह को जाना,

तब इन्होंने जांचना शुरु किया कि इस झुठा साबित करे, ली, अब हमें बाकी कहानी बताईए, आपने बताया था कि आप दो सच्चाई के पीछे बने रहे, हमें फिर से बताईए कि वो क्या थे?

ली स्ट्रोबल: पहला तो ये है कि क्या यीशुने दावा किया कि वो परमेश्वर का पुत्र है, और दूसरा है कि क्या उसने इसका सबूत दिया/ मुर्दों में जी उठने से/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठीक है, आपने इसे कैसे किया?

ली स्ट्रोबल: खैर मैंने पहले सोचा कि अच्छी कहानी है, अच्छा होगा कि प्रारंभिक स्त्रोतों में जाएं, और तो मैंने सोचा कि यीशु की पहली बायोग्राफी क्या है ये मरकूस का सुसमाचार है/ जिसके लिए बहुत से लोग विश्वास करते हैं कि ये लिखा हुआ पहला सुसमाचार है/ ये प्रेरित पतरस की आंखों देखी घटना पर आधारित था/ तो मैंने इसे खोला और पहली बात मैं देखी, कि यीशु ने सबसे सामान्य रुप में खुद के बारे में बताया वो परमेश्वर के पुत्र के रुप में नही/ वो कहता है मनुष्य का पुत्र, तो मैंने कहा केस बंद हुआ/ उसने परमेश्वर का पुत्र होने का दावा नही किया/ वो कह रहा था कि मैं मनुष्य का पुत्र हूँ, तुम्हारे और बाकी सब लोगों के जैसे ही हूँ,

मैंने यही सोचा था और फिर मैं गहराई में गया/ और मैंने देखा कि जब यीशु खुद को मनुष्य का पुत्र कह रहा था/ वो केवल मनुष्यत्व का दावा नही कर रहा था, उससे बढकर दावा कर रहा था/ क्योंकि वो खुद के लिए मनुष्य के पुत्र का विवरण दे रहा था, जो बाइबल में पाई जाती है, इब्रानी वचन में याने पूराने नियम में/ दानिएल अध्याय 7 में/ और यदि हम इसे देखे तो पाएगे/ कि मनुष्य के पुत्र में आलौकिक विशेषता ये है कि वो सारे मनुष्यों का न्याय करने के लिए आता है/ उसमें महानता है, पूरी महानता और सामर्थ है, सारे लोग उसकी आराधना करते हैं, केवल प्रभु की आराधना होती है/ उसका राज्य हमेशा बना रहेगा/ मतलब ये विशेषता आप दानिएल अध्याय 7 में पढिए/ ये आलौकिक हैं, तो यीशु यही कर रहा था कि उसे खुद के लिए लागू करें, और कहा कि मैं मनुष्य से बढकर हूँ, मै मनुष्य का पुत्र हूँ,

और अचानक मैंने सोचने लगा कि शायद इस में और भी कुछ है, मेरा पसंद का उदाहरण जो उसने कहा/ और बहुत से लोग इसे चुक जाते हैं, मैं सोचता हूं, हम इस में चुक जाते हैं, मरकूस अध्याय 6 में, याने यीशु पानी पर चलता है, हम ये कहानी जानते हैं, और बहुत सी बाइबल में इस वचन का अनुवाद है, डर मत, ये तो मैं हूँ, और लेकिन सच में मैं गहराई में गया और असली ग्रीक में याने जिसमें नया नियम लिखा गया/ यीशु सच में कह रहा था कि डर मत मैं हूँ/ मैं हूँ कौन है/ इसी तरह से निर्गमन में परमेश्वर ने खुद को मूसा के सामने जलती हुई झाड़ी में प्रकट किया था/

और अचानक वो एक और दावा करता है/ ये तो और भी स्पष्ट होता है/ महायाजक कैफा के सामने उसने विजयी रुप में कहा, देखिए वो पुछ रहा था, क्या तू उस धन्य का पुत्र मसीहा है? और यीशु के मुंह से निकले पहले दो शब्द थे, मैं हूँ/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, हमें थोड़ा धीमा होना होगा, क्या तुम ख्रिस्त हो, याने मसीह हो? क्या तुम उस परमधन्य के पुत्र हो? वो परमेश्वर नही कहते थे, क्योंकि वो यहूदी परंपरा में ऐसा नही करते थे, लेकिन सच्चाई यही है कि उसका यही अर्थ था, क्या तुम परमेश्वर के पुत्र हो, उस ने कहा, ''हाँ मैं हूँ''और फिर उसने और कुछ जोड़ा जो इससे भी बुरा हुआ.

ली स्ट्रोबल: जी/ जी हाँ, उसने कहा कि तुम मुझे सामर्थी के दाहिने हाथ पर देखोगे, और आकाश के बादलों पर आते देखोगे, (मरकूस 14:62) न्याय के लिए मनुष्यों का न्याय करने के लिए देखोगे/ ये अजीब है मैं सोच रहा था, सच में वो कैफा से कह रहा था, ओ माफ करना, तुम्हें लगता है कि तुम मुझे जांच रहे

हो, यहाँ इसका उलटा ही सच है/ और कैफा ने कैसे प्रतिउत्तर दिया, जब यीशु ने, खैर देखिए दानिएल अध्याय 7 में एक वचन है/ वो मनुष्य का पुत्र शब्द खुद के लिए कहता है, तो उसने जो कहा उसे कैफा कैसे समझेगा/ वो इसे निन्दा कहता है क्यों? क्योंकि यीशु परमेश्वर होने का दावा कर रहा था/ ये स्पष्ट था और यदि आप यीशु की बायोग्राफी पढते हैं/ कि ये बात कैसे बार बार होती है,

यूहन्ना अध्याय 10 वचन 30 में, यीशु ने कहा कि मैं और पिता एक हैं/ और ग्रीक में एक का मतलब है, पूरी तरह एक, तो फिर लोग कैसे समझे कि यीशु क्या कह रहा था/ वो उसे मारने के लिए पत्थर उठाने लगे क्यों? क्योंकि उन्होंने कहा कि तू एक मनुष्य होकर परमेश्वर होने का दावा करता है/ वो पूरी तरह समझ गएं कि क्या कह रहा है/ और उसे मारने पर थे/ मतलब वो वहां से चला गया, जॉन रुकिए एक मिनट/ यीशु ने कम से कम स्पष्ट दावा किया था/ कि वो परमेश्वर का पुत्र है/ ये स्पष्ट है, अब अगला सवाल था कि क्या इसके सबूत थे, कोई भी याने मैं दावा करुं कि मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ, लेकिन सवाल था कि इसके लिए उसके पास कोई सबूत थे?

ये अदभुत है जॉन कि यीशु के बारे में शुरु के रेकॉर्ड में हम देखते हैं, ये कोई लेजन्ड नही कि उसके मरने के कई शतकों बाद ये बनाया गया, मैं यही सोचता था विचार था कि वो परमेश्वर है/ वो मनुष्य से बढकर होने का दावा कर रहा था, तो मैंने सोचा/ ये किसी तरह लेजेन्ड मेथडॉलजी होगी जो कई साल बाद बढाई गई/ मुझे यीशु के बारे में शुरु के रेकॉर्डस देखने चाहिए, शुरु से ही वो ये अदभुत दावे करता है, वो दृष्टान्त देता है, दुष्ट किराएदार, और इस दृष्टान्त का संदेश यही था कि वो परमेश्वर का पुत्र है जो भेजा गया और परिणाम में मारा गया/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, मुझे जॉन ए टी रॉबिनसन पसंद हैं, ये भाई जिन्होंने डेथ ऑफ गॉड मुवमेन्ट शुरु की थी. उनकी रीडेटींग द गॉस्पल में, उन्होंने इसे रखा जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं, वो मरकूस के सुसमाचार के बारे में बताते हैं, कि ये 40 के आस पास था, मैं अब जो कह रहा हूँ, शायद इससे कोई सहमत न हो, लेकिन सच्चाई है कि ये 40 का है, ये यीशु के समय और उसके पुनरुत्थान के दस साल बाद हुआ. मैं दस साल कह रहा हूँ, हम ये कह रहे हैं कि यीशु ने जो कहा वो उस समय यरुशलेम के न्युज़ स्टैन्ड पर थे. तो हमारे पास मज़बुत सबूत हैं कि यीशु ने परमेश्वर होने का दावा किया, जब ये आपके मन में आया तो आपने इसके बारे मे क्या किया?

ली स्ट्रोबल: जी, जी/ जी, और हमारे पास प्रारंभीक चर्च के बारे में जानकारी है, हमारे पास प्रारंभिक चर्च में बताता गया है/ उनके अंदर ये जानने की बात थी, जैसे मैं कहता हूँ, कि अदृष्य परमेश्वर का चेहरा देखना/ और ये साबित करता है कि वो आलौकिक है, और ये विश्वास तो मरकूस के लिखने के पहले से ही था/ और/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : मैं पुछ रहा हूँ कि जब ये आप ने जाना तो आप पर इसका क्या प्रभाव हुआ?

ली स्ट्रोबल: देखिए सबसे पहले मैं चकित हो गया/ क्योंकि फिर बताऊं मैंने सोचा इससे निपटने के लिए कुछ दिन लगेगे, और ये खत्म होगा, लेकिन जितना देखा, तो कहा रुको एक मिनट, मनुष्य का पुत्र, ये आलौकिक दावा कर रहा है/ देखो ये दृष्टान्त ये बता रहा है, ये खुद को रख रहा है असाधारण मनुष्य या आलौकिक मनुष्य के रुप में, सारे मनुष्यों से बढकर/ ये स्पष्ट रुप मे, स्पष्ट रुप में कुछ कह रहा है/ जो ड्रामेटीक है और सामर्थी है और जिन लोगों से ये कह रहा था वो इस तरह से समझ गई/ आज हम पढ सकते हैं कि इसे कैसे पाया लेकिन देखिए उसके दिनों के लोगों ने कैसे प्रतिक्रिया की/ वो उसे मारना चाहते थे, क्योंकि वो ये दावा कर रहा था/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठीक है, हमारे पास दो मिनट बाकी हैं, मुझे पॉईन्ट नंबर दो बताईए, जिसे हम अगले हफ्ते देखेगे.

ली स्ट्रोबल: जी, मतलब मैंने यीशु के दूसरे दावे को देखा याने क्या इसका सबूत है, मुर्दों में से जी उठने के द्वारा/ और मैं इसे 5 ई में सारांश बता सकता हुँ, 5 शब्द जो इंग्लिश अक्षर ई से शुरु होते हैं, पहला है एक्सीक्युशन, याने क्या यीशु को मारा गया था, क्या वो मर गया था, क्रूस पर से उतारते वक्त क्या वो मर चुका था?

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, आज कुछ लोग कहते हैं, उसे कब्र से बचाया गया, हम इसके बारे में बाद में देखेगे, जी बताईए.

ली स्ट्रोबल: जी, जी बिलकुल/ और फिर हैं अर्ली अकाऊन्ट्स/ याने ऐसी चिज़ें जो लोगों की बनाई नही हो सकती/ और एम्पटी टूम्ब याने खाली कब्र है/ कि उसने शत्रु भी सहमत हैं कि वो खाली थी/ और फिर आय विटनेस अकाऊन्टस हैं, 515 लोगों ने फिर जी उठे यीशु से मुलाकात की थी, और फिर इमरजन्स ऑफ चर्च है, यहाँ यरुशलेम में/ ये बयान से बाहर है, यीशु के चेलों ने लोगों को सत्य बताया, मुर्दों में से उसके पुनरुत्थान के बारे में/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आप इन सब पॉईन्ट को निश्चित रुप में देखते रहे, जिसे हम अगले प्रोग्राम में देखेगे, और बुनियादी बात क्या थी?

ली स्ट्रोबल: जी बुनियादी बात तो ये है कि आप इसे देखते हैं, और सबूतों को जांचते हैं, इमानदारी से असली रुप में/ और मैंने खुदको सलायना लक्रू के साथ सहमत होते देखा है, जो अब तक के सबसे बड़े वकिल थे, और वो 245 मड़र केस को लगातार जीतते आएं थे, शायद ज्युरी ऑन अपील के पहले/ ये नास्तिक थे, और सबूत का अध्यन करते, ये मॉन्युमेन्टल लीगल स्कील और उसे ऐतिहासिक रेकॉर्डस में उपयोग करते/ और उनके शब्द का कोट है, कि मैं अटल रुप में कहता है कि यीशु के जी उठने के सबूत इतने रोमांचित करनेवाले हैं, कि ये सबूत के द्वारा स्वीकृति के लिए विवश करते हैं/ और ये संदेह के लिए कोई जगह नही रखते हैं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : दोष निकालनेवाले हैं, पी एच डी हैं, कॉलेज और हायस्कूल के विद्यार्थी हैं, और व्यस्क लोग हैं जो इस बात के बारे में चकित हैं, और वो वहां हैं जहां आप थे, और वो अब आपको देख रहे हैं, इन्हें बताईए कि अगले हफ्ते क्या देखने के लिए इन्हें बने रहना है/

ली स्ट्रोबल: जी सबसे पहले मैं सोचता हूँ कि ये महत्वपुर्ण मुद्दा है/ प्रेरित पौलुस ने ये कहा है, यदि यीशु जीलाया नही जाता, तो हमारा विश्वास व्यर्थ है, और ये पाप होगा, और यही मुद्दा है, नंबर एक मुद्दा है/ क्योंकि कोई भी दावा कर सकता है कि वो आलौकिक हैं, लेकिन क्या इसे मुर्दों में से जी उठने के द्वारा साबीत करेगे/ इसलिए मैं सोचता हूँ कि ये बहुत जरुती है/ ये इतिहास की महत्वपुर्ण घटना है/ और सोचता हुँ कि यदि लोग इसे खुले मन से देखे, खुले दिल से देखे, और अपने जीवन में फ्रन्ट बर्नर ईशू बना ले, और वो इस तरह से, इस तरह से कहे कि जब सबूत साबित होते हैं तो मैं इसे मान लेता हुँ, यदि इस तरह की मनोदशा के साथ यदि आप खुद इन बातों की जांच करते हैं, तो मैं सोचता हूँ कि इस तरह का निश्कर्ष निकालना मुश्किल होगा/ कि ये तकदीर से ही हुआ है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, ठीक है दोस्तों, हम चाहते हैं कि आप जुड़ जाएं, क्योंकि अगले हफ्ते हम मुख्य बातों पर चर्चा करेगे, क्या यीशु मुर्दो में से जी उठा था? हम दोष निकालनेवाले के दृष्टिकोण से 5 पॉईन्टस देखेगे, और मैं सोचता हूँ कि आपको ये सुनना चाहिए, और आशा करता हूँ, कि हमारे साथ जुड़ेगे.

द जॉन एन्करबर्ग शो
पी ओ बॉक्स 8977
Chattanooga, TN 37414
जे ए शो डॉट ऑर्ग
001-423-892-7722
Copyright 2015 ATRI